7.00 P.M.

Need to take effective steps to save the river Ganga

श्री बृजभूषण तिवारी (उत्तर प्रदेश) : सर, मैं गंगा नदी पर होने वाले संकट के संबंध में यह प्रश्न उठाना चाहता हूं। अमरीका की यूनिवर्सिटी Corporation of Atmospheric Research की The National Centre for Atmoshperic Research, Colorado ने अपने एक अध्ययन में बताया है कि जिस प्रकार गंगा नदी में जल का आवक कम हो रहा है, उससे अगले 50 वर्षों में इसके बिल्कुल सूख जाने का खतरा पैदा हो गया है। इस केन्द्र ने दुनिया की करीब 900 नदियों का अध्ययन किया है। पिछले 56 वर्षों में, सन् 2004 में गंगा में पानी 20 प्रतिशत कम हो गया और अगले दशक में और तेज रफ्तार से पानी कम होने की संभावना है। अगर यह क्रम जारी रहा तो अगले 50 वर्षों में यह नदी विलुप्त हो जाएगी।

भारत में गंगा नदी का पर्यावरण और सांस्कृतिक दृष्टि से बहुत ही महत्व है। यह धार्मिक आस्था की भी नदी है। पानी कम होने से पीने के पानी और सिंचाई का संकट उत्पन्न हो जाएगा। साथ ही, नालों से बहने वाला पानी का विकास भी रुक जाएगा। पानी की कमी का कारण हिमनद और पिघलना और कम पानी बरसना है। वैज्ञानिकों ने जलवायु परिवर्तन के कारण कमजोर मॉनसून की आशंका व्यक्त की है। सन् 1986 से, गंगा सफाई योजना में पिछले 15 वर्षों में कुल 900 करोड़ रुपये खर्च हुए, जो सब बेकार हो गये। गंगा को बचाने का उपाय करना जरूरी है।

श्री वीर पाल सिंह यादव (उत्तर प्रदेश) : सर, इस विषय के साथ मैं अपने आपको संबद्ध करता हूं।

श्री राजनीति प्रसाद (बिहार) : सर, इस विषय के साथ मैं अपने आपको संबद्ध करता हूं।

श्री आर. सी. सिंह (पश्चिमी बंगाल) : सर, इस विषय के साथ मैं अपने आपको संबद्ध करता हूं।

श्री श्रीगोपाल व्यास (छत्तीसगढ़) : सर, इस विषय के साथ मैं अपने आपको संबद्ध करता हूं।

श्री ओ.टी. लेपचा (सिक्किम) : सर, इस विषय के साथ मैं अपने आपको संबद्ध करता हूं।

Naxal menace rampant in the State of Chhattisgarh

MS. MABEL REBELLO (Jharkhand): Sir, almost nine States of India are plagued by the Naxal problem. Of them, Chhattisgarh is a very badly affected State. During the last three years, 706 tribals and 443 security personnel have been killed. On 12th July, 2009, almost 42 cops along with the district Superintendent of Police of Rajnandgaon were killed by Naxals. Almost 100 security forces were killed in Chhattisgarh this year.

Sir, Rajnandgaon is the home district of the Chief Minister and it is shocking that both Intelligence and police preparedness have miserably failed here. With such recurring incidents and police casualties, civilians feel insecure. The rest of the country is extremely worried about the state of affairs and about Naxalites declaring it a "liberated zone".

The Government of India should immediately ask for a report under Article 355 of the Constitution of India. It is important that we learn a lesson from West Bengal where delayed response to Naxaf attacks and their open defiance to administration led to a very explosive situation, which could be brought under control only by Central intervention after belated requests. I would request that both State and Central Governments, in collaboration, must start anti-Naxal operations at the earliest.